

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,

अपर सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय,

उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-830/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 5,000/- (रुपये पांच हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-107- संग्रहालय- 03- अधिष्ठान व्यय -00-05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-930/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

निदेशक

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संख्या- /VI-I/2006-2(5)/2006

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-827/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 1,80,000/- (रुपये एक लाख अस्सी हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार -03-बारहवें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख-00-02-मजदूरी मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-832/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

नियन्त्रण अभिकारी-निदेशक, रास्फेति निदेशालय।
संख्या- 2170/CI-II/86

दैनिक-15
पुनर्निर्माण 2005-07 विवरण पत्र
प्रशासनिक विभाग-सरकारी विभाग, उत्तरांचल शासन

देहरादून दिनांक 19/09/86

बजट प्राधिकरण तथा लेखाधीनक को विवरण		आभिलेखापत्र						दिनांक	
विवरण	मानक मदवार क्रमांकिक ताल	वित्तीय वर्ष के शेष अकरी में अनुमानित मात्र	अवशेष सरपंचस सनराशि	लेखाधीनक वित्तमं अनराशि स्थानान्तराशि शिवा चक्रा है।	पुनर्निर्माण के बाद राशम-5 की कुल अनराशि	पुनर्निर्माण के बाद राशम-1 में अनराशि	दिनांक	देहरादून तथा	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
अनुदान संख्या-11									
2205-कला एवं संस्कृति									
00-	120	700	100	अनुदान संख्या-11	6	7	8		
104-अभिलेखापत्र				2205-कला एवं संस्कृति	181	820			
03-बारहद्वे विल आयोग द्वारा संस्कृत अनुदान (पुरातन संरक्षण) सनराशि				00-					
00-				104-अभिलेखापत्र					
01-वेतन	1000			03-बारहद्वे विल आयोग द्वारा संस्कृत अनुदान (पुरातन संरक्षण) सनराशि					
				00-					
				02-मजदूरी	180				
योग	1000	120	700	100	181	820			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्निर्माण से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 155, 156 में प्राधिकरण का उत्तरांचल नदी क्षेत्र है।

(अभिलेख अधिकारी)
अथवा सचिव।

संख्या-

/VI-I/2006-2(5)/2006

प्रेषक,

अनिताम श्रीवास्तव,

अपर सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय,

उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:—आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-834/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रु० 50,000.00 (रुपये पचास हजार मात्र) को पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार-03-बारहवें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख-00-15-गाड़ियों का अनुरक्षण तथा पेट्रोल आदि की खरीद मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा०प०संख्या-931/वित्त (व्यय-नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक—यथोपरि

भवदीय,

(अनिताम श्रीवास्तव)

अपर सचिव

संख्या- 468/VI-I/06

पुनर्विनिर्माण 2006-07 विवरण पत्र
प्रशासनिक विभाग संरक्षक विभाग, जयपुर

दिनांक 19/09/06

कलट प्राधिकरण तथा लेखाशीर्षक का विवरण				आयोजनागत				पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 में अनुमानित कुल व्यय		पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 में अनुमानित कुल व्यय		वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु 15-गण्डियों का अनुमान एवं धरेल आदि की खरीद मद में भाग की अंशक कय आवकन होने के फलस्वरूप भाग वित्तीय वर्ष के अवशेष 8 माह हेतु वाहन के अनुमान तथा धरेल आदि की खरीद में गुमान के लिए वित्तीय वर्ष 2006-07 में 15-गण्डियों का अनुमान एवं धरेल आदि की खरीद मानक मद के आयोजनागत पत्र में रुपये 50,000=00 मात्र अधिरेकत पत्रादेशि की पुनर्विनिर्माण के माध्यम से स्वीकृति की निगलन आवश्यकता है।	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12		
अनुदान संख्या-11 2205-कला एवं संरक्षक 00- 104-अभिलेखणार 03-बारहद विल आयोग द्वारा संरक्षित पुनर्निर्माण संरक्षण/संरक्षण अभिलेख 00- 15-समाधान	-	-	50	अनुदान संख्या-11 2205-कला एवं संरक्षक 00- 104-अभिलेखणार 03-बारहद विल आयोग द्वारा संरक्षित पुनर्निर्माण संरक्षण/संरक्षण अभिलेख 00- 15-गण्डियों का अनुमान एवं धरेल आदि की खरीद	100	-	वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु 15-गण्डियों का अनुमान एवं धरेल आदि की खरीद मद में भाग की अंशक कय आवकन होने के फलस्वरूप भाग वित्तीय वर्ष के अवशेष 8 माह हेतु वाहन के अनुमान तथा धरेल आदि की खरीद में गुमान के लिए वित्तीय वर्ष 2006-07 में 15-गण्डियों का अनुमान एवं धरेल आदि की खरीद मानक मद के आयोजनागत पत्र में रुपये 50,000=00 मात्र अधिरेकत पत्रादेशि की पुनर्विनिर्माण के माध्यम से स्वीकृति की निगलन आवश्यकता है।						
योग	50	-	50	50	100	-							

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से कलट भूजल के परिणाम 150, 155, 156 में प्राधिकरण का उत्तरदायन नहीं होता है।

(अधिकृत अधिकारी)
अथ सचिव।

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संख्या

/VI-I/2006-2(5)/2006

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनेत्तर पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-829/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 60,000/- (रुपये साठ हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4-उपर्युक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-107-संग्रहालय-03 अधिष्ठान व्यय-00-02-मजदूरी मद के आयोजनेत्तर पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपर्युक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-929/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

बी०/१०-१५

जनता अधिकारी निदेशक संस्कृति निदेशालय।
अंक- ११६३१/११-११/०६

पुनर्निर्माण २००६-०७ विवरण पत्र
प्रशासनिक विभाग, संस्कृति विभाग, उत्तरांचल प्रदेश

वर्क प्रविष्टि एवं संवर्धन के लिए

आयोजन के लिए

देहरादून

दिनांक ११/०१/०६
(प्रशासनिक विभाग के लिए)

1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-१। २२०६-कला एवं संस्कृति ००- १०७-संयोजन ०३-अभियान का ००- ०१-मैग	मानक प्रकार अवधारितिक वर्ग	निर्दिष्ट के योग अवधि में अनुमानित व्यय	अवधि संयोजन संयोजन	लेखाधीन संयोजन संयोजन संयोजन	पुनर्निर्माण के लिए संयोजन-५ की कुल संयोजन	पुनर्निर्माण के लिए संयोजन-१ में कुल संयोजन	संयोजन संयोजन संयोजन
१०४	२३६	१०४९	६०	अनुदान संख्या-११ २२०६-कला एवं संस्कृति ००- १०७-संयोजन ०३-अभियान का ००- ०२-मैग	६१	१०४	संयोजन संयोजन संयोजन
१०४	२३६	१०४९	६०	अनुदान संख्या-११ २२०६-कला एवं संस्कृति ००- १०७-संयोजन ०३-अभियान का ००- ०२-मैग	६१	१०४	संयोजन संयोजन संयोजन
१०४	२३६	१०४९	६०	अनुदान संख्या-११ २२०६-कला एवं संस्कृति ००- १०७-संयोजन ०३-अभियान का ००- ०२-मैग	६१	१०४	संयोजन संयोजन संयोजन

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्निर्माण से पहले संयोजन के प्रविष्टि १००, १०५, १०६, १०७ में प्रविष्टि का संयोजन नहीं लेता है।

(अधीनस्थ श्रीजातव)
अधर सचिव